Sl. No. :

MHN(F)-07

Total No. of Pages : 2

Final Year M.A. Degree Examination, May - 2026

(SLM Scheme) (Non CBCS)

HINDI (हिन्दी)

Course - VII : Madhyakaleena Hindi Kavya

मध्यकालीन हिंदी काव्य

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Note : ***All sections are compulsory.***

SECTION - A

I. किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **[4 × 5 = 20]**

1) बोलत कैसे भृगुपति सुनिए, सो कहिये तन मन बनि आवे ।
आदि बडे है बडपन रखिये, जा हित तू सब जग जस पावै ।
चंदन हूँ में अति तन घसिये, आगि उठे यह गुनि सब लीजे ।
हैह्य मारो, नृप जन संहरे, सो यश लै किन युग–युग जीजै ।

2) वृंदावन आनंद घन राजत यमुना कूल ।
सदा सुखद सुंदर सरस, सब ऋतु रूचि अनुकूल ।।
रितु ओरे मौरै नवल वृंदावन तस बेलि ।
सहज सुझायी देखिये आनंद घन रसकेलि ।।

3) मैया मैं तो चन्द खिलौना लैहौं ।
जैहीं लोटि धरनि पर अबहीं, तेरी गोद न राहौं ।।
सुरभी कौ पथ–पान न करिहों, बेनी सिर न गुहै हौं ।
हवै हौं पूत नंद बाबा कौ, तेरौ सुत न कहैं हीं ।।

4) राम चलत सब पुर चल्यो, चहँ तहँ सहित उछाह ।
मनो भगीरथ पथ चल्यो, भागीरथी प्रवाह ।

5) पद पाताल सीस अज धामा ।
अपर लोक अँग अँग बिश्रामा ।।
भृकुटि बिलास भयंकर काला ।
नयन दिवाकर कच घन माला ।।

6) पहिले करि परनाम नंद सों समाचार सब दीजो ।

और वहाँ वृषभानु गोप सों जाय सकल सुधि लीजो ।।

श्रीदामा आदिक सब ग्वालन मेरे हुँतो भेटियो ।

सुख संदेश सुनाय हमारो गोपिन को दुख मेटियो ।।

SECTION - B

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [3 × 10 = 30]

7) घनानंद की भक्ति पद्धति का विवेचन कीजिए ।

8) केशव की कठिन काव्य का प्रेत क्यों कहा जाता है? रामचंद्रिका के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

9) रामचरितमानस के महाकाव्यत्व पर एक लेख लिखिए ।

10) सूरदास के भ्रमरगीत की विशिष्टताओं को रेखांकित कीजिए ।

11) तुलसी के दर्शनिक विचारों पर एक लेख लिखिए ।

SECTION - C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2 × 15 = 30]

12) केशव की भाषा की विशेषताओं की समीक्षा कीजिए ।

13) बिहारी सतसई में अभिव्यक्त विविध विषयों का विवेचन कीजिए ।

14) गोस्वामी तुलसीदास के प्रबंध–कौशल की समीक्षा कीजिए ।

15) भ्रमरगीत परंपरा के उद्भव और विकास पर एक लेख लिखिए ।